Result Mitra Daily Magazine

चावल और गेहूँ की स्थिति

❖ हालिया संदर्भ :

- अधिकांश अर्थशास्त्री एवं नीति-निर्माता गेहूँ और चावल को एक वर्ग में रखते हैं, चाहे वह फसल अधिशेष के संबंध में हो या एकल फसल अथवा फसल विविधीकरण की समस्या के संबंध में हो, लेकिन वर्तमान में दोनों फसलों की स्थिति बेहद भिन्न है।

❖ अधिशेष (Surplus) :

- चावल अतिरिक्त अधिशेष की समस्या से जूझ रहा है।
- भारत ने 2021-22, 2022-23 एवं 2023-24 में क्रमशः 21.21 मिलियन टन (MT), 22.35 MT एवं 16.36 MT चावल (बासमती एवं गैर-बासमती) का निर्यात किया, जो एक रिकॉर्ड है, लेकिन इसके बावजूद जावल का स्टॉक 1 अगस्त 2024 तक 45.48 MT है, जो एक उच्च स्तर है।

Result Mitra

- गेहूँ की स्थिति इसके विपरीत है।
- भारत ने 2021-22, 2022-23 एवं 2023-24 में क्रमशः 7.24 MT, 4.69 MT एवं 0.19 MT गेहूँ का निर्यात किया है।
- घटते निर्यात के बावजूद गेहूँ का स्टॉक 1 अगस्त 2024 तक 26.81 MT था, जो 2022 (26.65 MT) एवं 2008 (24.38 MT) के बाद हालिया वर्षों में सबसे कम है।
- सामान्यतः अगस्त महीने में गेहूँ का स्टॉक चावल से ज्यादा होता है क्योंकि गेहूँ का फसल मार्च-अप्रैल में ही तैयार हो गया है, जबकि चावल का फसल अभी खेतों में लगा ही है।
- पिछले 3 वर्षों से स्थिति विपरीत रही है।

❖ गेहूँ का उत्पादन मुद्दा :

- गेहूँ रबी सीजन का फसल है और केवल 8 भारतीय राज्य ऐसे है, जो 2 MT से ज्यादा गेहूँ उत्पादित करते हैं।
- UP, MP, पंजाब एवं हरियाणा भारत के कुल उत्पादन का 76% गेहूँ उत्पादित करते हैं, जबकि अन्य 4 प्रमुख राज्यों में राजस्थान, बिहार, गुजरात और महाराष्ट्र है।
- सर्दियों के छोटे, गर्म और कम अनुपस्थित होने के कारण ज्यादा संवेदनशील हो गया है और जलवायु परिवर्तन ने इसको काफी प्रभावित किया है।
- भौगोलिक क्षेत्रीय सीमितता एवं जलवायविक परिस्थितियों की विपरीतता ने गेहूँ के उत्पादन को अस्थिर बना दिया है।

❖ चावल का उत्पादन :

- चावल खरीफ एवं दोनों मौसम में उगाया जाता है।
- चावल की खेती गेहूँ की तुलना में ज्यादा विस्तृत क्षेत्र में की जाती है।
- गेहूँ के विपरीत 16 भारतीय राज्य ऐसे है, जो 2 MT से ज्यादा चावल उगाते हैं।
- दक्षिण के तेलंगाना, आंध्रप्रदेश, कर्नाटक, तमिलनाडू से लेकर ओडिशा, छत्तीसगढ, UP, WB, पंजाब, बिहार जैसे राज्य शीर्ष उत्पादक में शामिल है।

Result Mitra

- 2014-15 में 4.44 MT चावल उगाने वाला तेलंगाना वर्ष 2023-24 में 16.63 MT उत्पादन के साथ भारत का शीर्ष चावल उत्पादक राज्य बन गया, जिसमें सिंचाई के प्रसार ने मुख्य भूमिका निभाई ।

❖ खपत में परिवर्तन :

- आधिकारिक घरेलू व्यय सर्वेक्षण 2022-23 के अनुसार ग्रामीण एवं शहरी भारत में गेहूँ की मासिक खपत क्रमशः 3.9 kg/व्यक्ति एवं 3.6 kg/व्यक्ति है।
- कुल अनुमानित आबादी 1.42 बिलियन के हिसाब से समग्र घरेलू खपत 65 MT होगा।

❖ परिष्कृत गेहूँ :

- गेहूँ की खपत का एक बडा हिस्सा परिष्कृत आटे या मैदा के रूप में उपयोग किया जा रहा है।
- साबुत गेहूँ में तीन भाग होते हैं :-

1. चोकर या बाहरी छिलका, जो गेहूँ के वजन का 14% होता है।
2. भ्रूण, जो नए पौधे में अंकुरित होता है, गेहूँ का 2.5% होता है और
3. स्टार्च एवं ग्लूटेन प्रोटीन से भरपूर एंडोस्पर्म (भ्रूणपोष), जो गेहूँ के वजन का 83% होता है।

- मैदा बेकरी उत्पादों (ब्रेड, बन, बर्गर, बिस्किट), सुविधाजनक खाद्य पदार्थों (नूडल्स, समोसा, कचौरी) एवं गुलाबजामुन और जलेबी जैसे मिठाईयों का भी प्रमुख घटक है।
- गेहूँ के प्रसंस्कृत रूपों से संबंधित कोई ठोस डेटा नहीं है, लेकिन यह लगातार बढ रहा है एवं बढती आय और शहरीकरण इसे और बढाएगा।
- चावल में इस प्रकार का परिवर्तन दिखाई नहीं देता है क्योंकि इसका प्रसंस्करण इडली, डोसा, मुरमुरा, पुडिंग एवं बिरयानी व्यंजनों तक ही सिमट कर रह गया है।

Result Mitra

❖ Top-5 गेहूँ उत्पादक (MT में)

1. UP - 34.46
2. MP - 20.96
3. पंजाब - 16.85
4. हरियाणा - 11.37
5. राजस्थान - 10.69

Note :- उपरोक्त आंकडे 2023-24 के है।

❖ Top-5 चावल उत्पादक (2019-2023 औसत उत्पादन)

1. पश्चिम बंगाल - 15.95 MT
2. UP - 15.64 MT
3. पंजाब - 12.97
4. तेलंगाना - 12.51
5. ओडिशा - 8.97

Result Mitra